

多文诗选

多文 著

——谨以此诗献给所有热爱生命，热爱祖国，关心世界命运，努力战胜困难，奋发自励，积极追求进步，为理想不懈奋斗的人们！

河南人民出版社

图书在版编目(CIP)数据

多文诗选/杨二勇著.—郑州:河南人民出版社,
2009.1
ISBN 978 - 7 - 215 - 05946 - 7

I. 多… II. 杨… III. 诗歌 - 作品集 - 中国 - 当代
IV. I227

中国版本图书馆 CIP 数据核字(2008)第 213256 号

河南人民出版社出版发行

(地址:郑州市经五路 66 号 邮政编码:450002 电话:65723341)

新华书店经销 郑州文华印务有限公司印刷

开本 880 毫米×1230 毫米 1/32 印张 15.625

字数 276 千字

2009 年 1 月第 1 版 2009 年 1 月第 1 次印刷

定价:30.00 元

自序

迎战冬天，更是为了迎接春天！

个人、国家，在经过岁月的一次次风雨洗礼之后，必
将日益走向成熟，进而必会爆发出奋斗的伟力。

中华民族是龙的故乡，我们是龙的子孙。

坚决顽强，奋发向上，积极进取，藐视困难，责己修
身，追求卓越，是中国人民伟大优良的品性。

心持一盏灯，
心有一炉火，
黑夜不惧，
严冬不怕。

“冬天即将过去，春天必会到来！”

春天是无限美丽的！

万里春光，祥云流水，莺歌燕舞，百花盛开，在宇宙
诗意和谐的氛围里，勤劳、智慧的人民热情如火，信心百

倍,积极创造着美丽、幸福的新生活……

中国的改革,中国人民的坚韧卓绝奋斗,必将历练功成——万众一心共力托起中华民族的伟大复兴,必将迎来中华民族朝气蓬勃、繁华似锦的春天!

“天下兴亡,匹夫有责。”

作为中华儿女的一分子,“生我国土,忧我国家”,写下火热奋斗的诗篇,勉于朋辈,益于后代,为中国改革“鼓与呼”,为中国兴盛摇旗呐喊,是为责任。

谨将近两年诗作结集,献给读者。

是为序。

多 文

2008 年 12 月 30 日

目 录

| | | | |
|--------------------|-----------|---|---|
| ◎ | · · · · · | 目 | 录 |
| 1 明理篇 | 1 | I | |
| 奋斗的哲学 | 3 | | |
| 论生命 | 4 | | |
| 论死并寄语青年 | 6 | | |
| 光明·黑暗与我们的态度 | 12 | | |
| 觉悟 | 14 | | |
| 敢于承认失败 | 15 | | |
| 进步 | 16 | | |
| 不可能 | 17 | | |
| 我快乐的生活 | 18 | | |
| 为爱活着 | 19 | | |
| 这是怎样的世界 | 20 | | |
| 我眼中的秋天 | | | |
| ——致 30 多岁的人们 | 21 | | |
| 文明与堕落 | 22 | | |
| 落日 | 23 | | |
| 理想之光 | 24 | | |

| | |
|-------|----|
| 言行论 | 25 |
| 论爱 | 26 |
| 论经验 | 27 |
| 论教训 | 28 |
| 论错误 | 29 |
| 论权变 | 30 |
| 论悟 | 31 |
| 心态论 | 32 |
| 论觉悟 | 34 |
| 论做人 | 35 |
| 论决断大事 | 36 |
| 论孝 | 37 |
| 孝心·伟大 | 38 |
| 知耻 | 40 |
| 谁能保佑你 | 41 |
| 安全 | 43 |
| 劝世 | 46 |
| 论养生 | 47 |
| 论夜 | 48 |
| 为什么蜕变 | 49 |
| 因为 | 50 |
| 论大悟小悟 | 51 |
| 孙武论 | 52 |
| 四十而立 | 53 |
| 大智者 | 54 |
| 我之宇宙观 | 55 |
| 不可迷信 | 56 |

| | | |
|-------------------|----|---|
| 论国民之理想 | 57 | ◎ |
| 太阳与月亮 | 58 | · |
| 养性 | 59 | · |
| 论手段 | 60 | · |
| 论政治 | 61 | · |
| 论史 | 62 | · |
| 论茶 | 63 | · |
| 理想与现实 | 64 | · |
| 度 | 65 | · |
| 论理 | 66 | · |
| 感李嘉诚先生 | 67 | · |
| 舵 | 68 | · |
| 较量 | 69 | · |
| 沉默与爆发 | 70 | · |
| 论青春 | 71 | · |
| 原则 | 72 | · |
| 不能称其为人 | 73 | · |
| 留下点什么 | 74 | · |
| 2 励志篇 | 75 | 3 |
| 民族·梦想与我们的奋斗 | 77 | |
| 在暴风雨中成长 | 79 | |
| 船 | 80 | |
| 向着太阳前进 | 82 | |
| 拨亮人生之灯 | 83 | |
| 走出自己的心 | 85 | |

| | |
|------------|-----|
| 在路上 | |
| ——致女儿 | 86 |
| 致女儿 | 88 |
| 千百年来 | 90 |
| 生命的里程 | 92 |
| 征尘 | 94 |
| 悟世 | 95 |
| 思想者 | 96 |
| 永不言迟 | |
| ——致年轻人 | 98 |
| 无题 | 100 |
| 致青年们 | 101 |
| 警觉自我 | 103 |
| 奋起 | 104 |
| 崛起 | |
| ——致当代中国青年 | 105 |
| 心有所持 | 106 |
| 我所坚信的 | 108 |
| 人·彼岸 | 109 |
| 勿枉为人 | |
| ——致世界青年 | 110 |
| 荣誉 | 112 |
| 劝友 | 113 |
| 子夜读史寄青年并自勉 | 114 |
| 稚子歌 | 115 |
| 一生积极 | 116 |
| 精灵 | 117 |

| | |
|----------|-----|
| 精卫赞 | 118 |
| 劝雀儿 | 119 |
| 顾我 | 120 |
| 站在历史的高度 | 121 |
| 选择 | 122 |
| 灵与肉 | 123 |
| 为心灵松柳 | 127 |
| 彼岸 | 129 |
| “我”的疑问 | |
| ——致当代年轻人 | 130 |
| 还我青春 | 131 |
| 当挽春色 | 132 |
| 向陈刚毅同志学习 | 133 |
| 刘远书赞 | 135 |
| 求学 | |
| ——致女儿 | 136 |
| 搏击 | 137 |
| 劝奋歌 | 138 |
| 劝男 | 139 |
| 樵夫问 | 140 |
| 独居 | 141 |
| 江上雨 | 142 |
| 低谷 | 143 |
| 百日内心斗争有感 | 144 |
| 探索 | 145 |
| 征服珠穆朗玛峰 | 146 |
| 力量 | 148 |

◎

目

录

5

| | |
|---------------|-----|
| 愿 | |
| ——纪念毛泽东和杨开慧同志 | 149 |
| 羔羊 | 150 |
| 一切都是有可能的 | 151 |
| 出路 | 153 |
| 走下去 | 154 |
| 走出泥潭 | 155 |
| 写给女儿 | 156 |
| 匆匆 | |
| ——致我生活的小城 | 158 |
| 从小做起 | 160 |
| 学会感动 | 161 |
| 学会感恩 | 162 |
| 孩子,要坚强 | 164 |
| 去传递爱 | 165 |
| 去做一件小事 | 166 |
| 追悔惜时有感 | 167 |
| 不能停下 | 168 |
| 战者必胜 | 169 |
| 直捣黄龙歌 | 170 |
| 笑对人生 | 171 |
| 3 感悟篇 | 173 |
| 人生三题 | 175 |
| 感沈阳暴风雪中爱心频见 | 177 |
| 遗产 | |
| ——纪念周恩来总理 | 178 |

| | |
|------------|-----|
| 风景 | 179 |
| 卖烤红薯的老人 | 180 |
| 劳动者赞 | 182 |
| 劳动 | 183 |
| 善心 | 184 |
| 这不是很美吗 | 185 |
| 可贵的维权 | 186 |
| 最爱是孩子 | 187 |
| “二战”时的恋人 | 188 |
| 美之二 | 189 |
| 多一点快乐 | 191 |
| 宽容 | 192 |
| 快乐歌 | 193 |
| 感事寄语五 | 194 |
| 桥 | 196 |
| 雨后 | 197 |
| 春日咏梅 | 198 |
| 春日山寺感怀 | 199 |
| 花径有感 | |
| ——题庐山白氏留迹处 | 200 |
| 春山游 | 201 |
| 抽茅线 | 202 |
| 蜜蜂之歌 | 203 |
| 观麦 | 204 |
| 秋收 | 205 |
| 乐原 | 206 |
| 寻隐者不见 | 207 |

| | |
|--------------|-----|
| 空村 | 208 |
| 听琴 | 209 |
| 夜观女儿睡相 | 210 |
| 思雪 | 211 |
| 敬海 | 212 |
| 上海之风 | 213 |
| 公德无价 | 214 |
| 汲黯 | 215 |
| 感徐悲鸿慧识“南北二石” | 216 |
| 无题 | 217 |
| 圆梦 | 218 |
| 千年一叹 | 219 |
| 酒歌 | 220 |
| 真气 | 221 |
| 悟生 | 222 |
| 人类的自信 | 223 |
| 夜之两面性 | 224 |
| 灯 | 225 |
| 愚蠢 | 226 |
| 沟通——语言的力量 | |
| ——与友谈诗有悟 | 227 |
| 学会思考 | 228 |
| 生之哲理 | 229 |
| 思善 | 230 |
| 与子友善 | 231 |
| 爱 | 232 |
| 因为爱 | 233 |

| | |
|-----------|-----|
| 感谢你,朋友 | 234 |
| 生命之重 | 235 |
| 祈天 | 236 |
| 问路 | 237 |
| 察变 | 238 |
| 观足球赛有感 | 239 |
| 比尔·盖茨的志向 | 240 |
| 安南印象 | 241 |
| 向科菲·安南致敬 | 242 |
| 向摩根·弗里曼致敬 | 243 |
| 一念 | 245 |
| 先人一步 | 246 |
| 在山的尽头 | 247 |
| 4 醒世篇 | 249 |
| 警世 | 251 |
| 警儿 | 253 |
| 勿为“待宰猴” | 254 |
| 哀歌 | 255 |
| 鹿鸣感怀 | 256 |
| 路燕之哀 | 257 |
| 我梦中的鸟 | 258 |
| 鱼说 | 259 |
| 水鸟不灭 | 260 |
| 咏水 | 261 |
| 感五月八日风沙大作 | 262 |

| | |
|-------------|-----|
| 悲哀的人 | |
| ——感地球生存环境恶化 | 263 |
| 慢性自杀·救救人类 | 264 |
| 一千年以后 | 265 |
| 停下来 | 266 |
| 人类的美德 | 267 |
| 金三角涅槃 | 268 |
| 倒退 | 269 |
| 悲哀与愤怒 | 270 |
| 不要忘记教育 | 271 |
| 男人 | 272 |
| 女人 | 273 |
| 看你一生 | 275 |
| 说“识” | 276 |
| 价值有感 | 277 |
| 无题 | 278 |
| 乡土 | 279 |
| 信仰之重 | 280 |
| 根 | |
| ——反对新崇洋主义 | 281 |
| 慎我 | 282 |
| 不要忘本 | 283 |
| 百姓 | 285 |
| 无题 | 287 |
| 有感 | 288 |
| 教育有感 | 289 |
| 第三只眼 | 290 |

| | |
|-------------|-----|
| 纪念延安大生产运动 | 291 |
| 不要 | 292 |
| 记住 | 293 |
| 纪念马拉奇·里彻 | 294 |
| 勿躁 | 295 |
| 劝世六 | 296 |
| 除虫 | 299 |
| 无题 | 300 |
| 良心 | |
| ——感山西黑砖窑之被惩 | 301 |
| 观世相有感 | 302 |
| 网与剑 | 303 |
| 池鱼 | 304 |
| 街蚁之死 | 305 |
| 家蟹之死 | 306 |
| 囚蟹之死 | 307 |
| 勿为钱生 | 309 |
| 诱惑 | 310 |
| 良心 | 311 |
| 不知 | 312 |
| 人鱼之悲 | 313 |
| 套 | 314 |
| 浮徒 | 315 |
| 弱智儿 | 316 |
| 蔡京之死 | 317 |
| 思蝉 | 318 |
| 无题 | 319 |

| | |
|-------------|-----|
| 寄语地球人类 | |
| ——感人类须和谐生存 | 320 |
| 这一天 | |
| ——“六一”儿童节有感 | 321 |
| 力量·思想·奇迹 | 323 |
| 5 抒怀篇 | 325 |
| 诗三首 | 327 |
| 可爱的祖国 | 330 |
| 跋涉者说 | 332 |
| 青春 | 334 |
| 我所热爱的生活 | |
| ——献给世界人民 | 336 |
| 热爱生命 | 338 |
| 生命之歌 | 340 |
| 走近胡杨 | 341 |
| 故土情 | 343 |
| 母亲 | 344 |
| 把根留住 | 345 |
| 血脉 | 346 |
| 梦想 | 347 |
| 希望 | 348 |
| 火炬赞 | 349 |
| 来吧,冬天 | 350 |
| 在危机面前 | 352 |
| 烈火 | |
| ——献给危机中的世界 | 353 |

| | |
|-----------|-----|
| 一粒种子 | 355 |
| 坚持 | 356 |
| 冬日二题 | 357 |
| 咏梅 | 358 |
| 赞红梅精神 | 359 |
| 冬麦 | 360 |
| 新月 | 361 |
| 出征 | 362 |
| 咏雷 | 363 |
| 春天的声音 | 365 |
| 天籁之声 | 366 |
| 春日山泉 | 367 |
| 春天的音符 | 368 |
| 春天来了 | 369 |
| 借 | 370 |
| 告诉春天 | 371 |
| 春日三题 | 372 |
| 植树去 | 374 |
| 春芽儿 | 375 |
| 春天的色彩 | 376 |
| 听 | 378 |
| 柳絮飘飞 | 379 |
| 大河·青春·人生 | 380 |
| 五月二题 | 381 |
| 五月十三日登金顶山 | 382 |
| 红蝴蝶 | 384 |
| 春·长江组诗 | 385 |